(ख) चूंकि देश में बटर आयल का उत्पादन नहीं किया जाता अतः इसकी आपूर्ति के अनुमान का कोई प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) 1994 के दौरान आयात किए गए बटर आयल का विवरण इस प्रकार है :—

मात्रा/मीटरी टन	प्रति मीटरी टन मूल्य अमेरिकी डालर में
500	1600
2000	1730
800	1770

(घ) भारत बटर आयल का उत्पादन नहीं करता अतः बटर आयल के घरेलू मूल्यों पर किसी प्रकार के प्रभाव का कोई प्रश्न नहीं है ।

केरल में नारियल के मूल्यों में गिरावट

499. **श्री रामचन्द्रन पिल्लै :**

श्री एम. ए. बेबी :
श्री ई. बालानन्दन :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को केरल में नारियल के मूल्यों में अत्यधिक गिरावट की जानकारी है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस प्रकृति को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या उपचारी उपाय किए गए हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) जी, हां ।

(ख) केरल के विभिन्न बाजारों में वर्ष 1994 के प्रथम 9 महीनों के दौरान नारियल के मूल्यों में कुल मिलाकर गिरावट की प्रवृत्ति दिखाई दी । तथापि, अक्तूबर, नवम्बर, 1994 में राज्य के बड़े बाजारों में नारियल के मूल्यों में वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई दी है और ये न्यूनतम समर्थन मूल्य के स्तर के आस-पास रही हैं ।

(ग) सरकार ने कोपरा के बाजारी मूल्य न्यूनतम समर्थन मूल्यों से नीचे गिरने की स्थिति में मूल्य समर्थन आपरेशन शुरू करने के लिए "नेफेड" को नोडल ऐजेंसी के रूप में नामित किया है । 1994 में नारियल के न्यूनतम समर्थन मूल्यों से नीचे गिरने की दृष्टि से, नेफेड ने मूल्य समर्थन आपरेशन शुरू किया है और 30 नवम्बर, 1994 तक केरल, कर्नाटक तथा लक्ष्यद्वीप से 62852 टन कोपरा खरीदा है जिसमें से 61704 टन कोपरा केरल के बाजारों से खरीदा गया है ।

गेहूं और चीनी के समर्थन में मूल्य में वृद्धि करना

500. **श्री राम जेठमलानी :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा वर्ष 1994–95 के दौरान रबी की फसल में गेहूं और चीनी के समर्थन मूल्य में वृद्धि की गई है ;

(ख) यदि हां, तो गत वर्ष के मूल्यों की तुलना में यह वृद्धि कितने प्रतिशत है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि सरकार वर्ष 1991–92 से गेहूं और चावल के समर्थन मूल्यों में निरंतर वृद्धि कर रही है ;

(घ) वर्ष 1991–92 से 1993–94 तक की अवधि के दौरान समर्थन मूल्यों में प्रतिवर्ष कितने प्रतिशत वृद्धि की गई है और इस प्रकार वृद्धि करने के क्या आधार थे; और

(ङ) क्या वर्ष 1994–95 के दौरान समर्थन मूल्य निर्धारित करते समय इन आधारों की उपेक्षा की गई है; यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) तथा (ख) जी, हां । 1993–94 की तुलना में गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य तथा गन्ने के सांविधिक मूल्य में 1994–95 के लिए क्रमशः 2.9% तथा 13.3% की वृद्धि की गई है ।

(ग) जी, हां ।

(घ) 1991–92 से गेहूं और धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में प्रतिशत वृद्धि निम्नवत है :—

जिंस	प्रतिशत वृद्धि			
	1991–92	1992–93	1993–94	1994–95
गेहूं	22.2	20.0	6.1	2.9
धान	12.2	17.4	14.6	9.7
(सामान्य)				

सरकार, कृषि लागत और मूल्य आयोग की सिफारिशों, राज्य सरकारों तथा संबंधित केन्द्रीय मंत्रालयों के अभिमतों और अन्य संगत कारणों के आधार पर कृषि जिंसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करती है । अपनी सिफारिश करते समय कृषि लागत और मूल्य आयोग उत्पादन लागत, आदान मूल्यों में परिवर्तन/आदान/पैदावार मूल्य साम्यता, बाजार मूल्य का रुख किसानों द्वारा प्रदत्त और प्राप्त मूल्यों के बीच साम्यता आदि कई कारणों को ध्यान में रखती है।

(ङ) जी, नहीं ।

Support Prices of paddy

01. SHRI BHUPINDER SINGH MANN: Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Minimum Support Price for paddy of various varieties fixed by Government last year has not accured to the farmers in Punjab Haryana and Uttar Pradesh due to collusion of State Government employees with private parties and farmers have been forced to sell at less price than Minimum Support Price;

(b) if so, what action will be taken against the persons involved; and

(c) whether any survey as to the estimated loss to the farmers on this account has been made and whether they will be compensated?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD (SHRI KALP NATH RAI): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise.

Setting up sugar mill in Nawarangpur District of Orissa

502. SHRI BHBGABABN MAJHI: Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) whether Government had a proposal to set up a sugar mill in Nawarang pur district of Orissa;

(b) if so, the reasons for the delay in the establishment of the sugar mill; and

(c) the steps taken to implement that proposal?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD (SHRI KALP NATH RAI): (a) to (c) The Central Government does not set up sugar mills in any part of the country. It however, grants letters of intent/industrial licences in accordance with prevailing licensing policy guidelines for setting up of new scgar mills.

A letter of intent was granted to M/s. Industrial Promotion and Investment Corporation of Orissa Ltd., (IPICOL) for establishment of a new sugar unit of 2500 TCD Capacity at Nawarangpur, district Koraput, Orissa. The name in the letter of intent has been changed as M/s Orissa Sugars Ltd., to implement the project. A request has since been received regarding